सिद्धार्थ विश्वविद्यालय
कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर
पिनः—272202

SIDDHARTH UNIVERSITY
Kapilvastu, Siddharth Nagar
Pin-272202

पत्रांक 2459/सा0प्र0/सि0वि0वि0/2022 दिनांक 17/11/2022

सेवा में,

प्राचार्य/प्रबन्धक
समस्त सम्बद्ध स्ववित पोषित/राजकीय/अनुदानित महाविद्यालय (संलग्नक सूची)
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।

विषय— "आजादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस, 26 नवम्बर, 2022 के आयोजन के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषय विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या— 329/सत्तर—रा0से0यो0को0—2022 दिनांक 14 नवम्बर, 2022 (संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे, जिसके माध्यम से "आजादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस, 26 नवम्बर, 2022 के आयोजन किये जाने की अपेक्षा की गयी है।

तद्क्रम में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय/अनुदानित/स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों एवं समस्त कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना/ इकाईयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को संविधान दिवस दिनांक 26 नवम्बर, 2022 के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जाना अपेक्षित है। उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी (क्विज) एवं संविधान की प्रस्तावना पढ़ने के लिए वेबसाइट की जानकारी निम्नवत् है—

1. Online reading of Preamble to the Constitution in 22 Official Language and English- **readpreamble.nic.in**
2. Online Quiz on India- the Mother of Democracyc भारत—लोकतंत्र की जननी- **constitutionquiz.nic.in**

उक्त के क्रम में मा0 कुलपति जी के आदेशानुसार विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय/अनुदानित/स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों एवं समस्त कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना/ इकाईयों के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संविधान दिवस दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को भव्य रूप में आयोजित करने का कष्ट करें, कार्यक्रम सम्बन्धित फोटो, वीडियों, पेपरकटिंग, सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर तथा वाट्सऐप) के माध्यम से प्रचारित—प्रसारित करें।#SamvidhanDiwas एवं #IndiaMotherofDemocaracy का प्रयोग किया जाए।

संलग्नक—यथोपरि

भवदीय

17.11.22

कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर।

पत्रांक 2459 सा0प्र0/सि0वि0वि0/2022 दिनांक 17/11/2022

प्रतिलिपि—निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1— कार्यक्रम समन्वयक— राष्ट्रीय सेवा योजना, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
2— कार्यक्रम अधिकारी, समस्त, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सम्बद्ध महाविद्यालय।
3— विश्वविद्यालय कार्यक्रम अधिकारी/प्राचार्य समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय।
4— वित्त अधिकारी, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
5— कोडिंग प्रभारी को इस आशय से प्रेषित कि उपरोक्त सूचना विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय, सहायता प्राप्त अशासकीय एवं स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के लॉगिन में अपलोड करने का कष्ट करें।
6— निजी सचिव, कुलपति, मा0 कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
7— सम्बन्धित पत्रावली।

17.11.22

कुलसचिव

संख्या–329 / सत्तर–रा0से0यो0को0–2022

प्रेषक,

डॉ0 सुनीता गुप्ता,
विशेष कार्याधिकारी एवं
राज्य सम्पर्क अधिकारी,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1– कार्यक्रम समन्वयक,
एन0एस0एस0 से सम्बन्धित समस्त विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।

2– उप शिक्षा निदेशक,
माध्यमिक शिक्षा, एन0एस0एस0 से सम्बन्धित समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा (राष्ट्रीय सेवा योजना कोष्ठक) विभाग **लखनऊः दिनांक 14 नवम्बर, 2022**

विषयः– "आजादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस, 26 नवम्बर, 2022 के आयोजन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (युवा कार्यक्रम विभाग) राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय भवन, लखनऊ का पत्र संख्या–15–01 / रा0से0यो / क्षे0नि0लख0 / 2022–23 दिनांक–11.11.2022 एवं भारत सरकार, संसदीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के डी0ओ0 पत्र संख्या–15 / 17 / 2022–Admn. दिनांक–09.11.2022 (छाया प्रति संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके माध्यम से समस्त कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना से संबंधित विश्वविद्यालय एवं समस्त उप शिक्षा निदेशक, (माध्यमिक) मण्डल उत्तर प्रदेश को दिये गये दिशा– निर्देशों के अनुसार आजादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस, दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को मनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

2– इस सम्बन्ध में उक्त के दृष्टिगत राष्ट्रीय सेवा योजना उ0प्र0 से संबंधित विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों / विद्यालयों की समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के स्वयंसेवक / स्वयंसेविकाओं को संविधान दिवस दिनांक 26 नवम्बर, 2022 के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जाना अपेक्षित है। उल्लेखनीय है कि आनलाइन प्रश्नोत्तरी (Quiz) एवं संविधान की प्रस्तावना पढ़ने के लिए वेबसाइट की जानकारी निम्नवत् है–

1. Online reading of Preamble to the Constitution in 22 Official Language and English – readpreamble.nic.in
2. Online Quiz on India- the Mother of Democracy / भारत– लोकतंत्र की जननी – constitutionquiz.nic.in

3– इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना उ0प्र0 से संबंधित विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों / विद्यालयों की समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के स्वयंसेवक / स्वयंसेविकाओं को आजादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस, 26 नवम्बर, 2022 कार्यक्रम को संलग्न गाईड–लाइन के अनुसार आयोजित किया जाना सुनिश्चित करें। कृत कार्यवाही की विस्तृत आख्या संबंधित फोटो, वीडियों, पेपरकटिंग, सोशल मीडिया(फेसबुक, ट्विटर तथा वाट्सऐप) के माध्यम से प्रचारित–प्रसारित करें। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार–प्रसार में #SamvidhanDiwas एवं #IndiaMotherOfDemocaracy का प्रयोग किया जाए।

इसकी सूचना भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय लखनऊ के ई–मेल–nssrclucknow@yahoo.com पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें एवं शासन के ई–मेल–**sloup.nss@gmail.com** पर भेजे।

संलग्नकः यथोक्त।

भवदीय,
14.11.22
डॉ0 (सुनीता गुप्ता)
विशेष कार्याधिकारी एवं
राज्य सम्पर्क अधिकारी।

संख्या– /सत्तर–रा0से0यो0को0–2022–तद्‌दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(1) निजी सचिव, विशेष सचिव को विशेष सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।

(2) क्षेत्रीय निदेशक, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, रा0से0यो0 क्षेत्रीय निदेशालय, हाल नं0–1 आठवां तल, केन्द्रीय भवन, सेक्टर–एच0, अलीगंज, लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,
14.11.22
डॉ0 (सुनीता गुप्ता)
विशेष कार्याधिकारी एवं
राज्य सम्पर्क अधिकारी।

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
(युवा कार्यक्रम विभाग)
राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय
(उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड)
केन्द्रीय भवन, आठवाँ तल, हाल नं0 1,
सेक्टर-'एच', अलीगंज, लखनऊ-226024, उ0प्र0
दूरभाष : 0522 {2337066 (टेलीफैक्स) 4079533

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Youth Affairs & Sports
(Department of Youth Affairs)
Regional Directorate of National Service Scheme
(Uttar Pradesh, Uttarakhand)
Kendriya Bhawan, 8th Floor, Hall No. 1,
Sector 'H', Aliganj, Lucknow-226024, UP
email : nssrc.lu-up@gov.in, nssrclucknow@gmail.com
nssrclucknow@yahoo.com
facebook : NSSRD LUCKNOW

सं0 15-01/रासेयो/क्षेनि./लख/2022-23 दिनांक: 11-11-2022

सेवा में,

समस्त कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना,
उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड

विषय: "आजादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस, 2022 के आयोजन के सन्दर्भ में :-

महोदय,

उपरोक्त सन्दर्भ में रा०से०यो० निदेशालय, नई दिल्ली के पत्र सं. अ.शा.पी. 24-1/रासेयो/निदेशा/2022/945-958 दिनांक 10 नवंबर, 2022 एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के डी.ओ. पत्र सं. 15/17/2022 - प्रशा० दिनांक 09 नवंबर, 2022 (संलग्न) में दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार दिनांक 26 नवम्बर, 2022 को समस्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों की रासेयो इकाइयों में संविधान दिवस मनाया जाना है।

ऑनलाइन प्रश्नोतरी (Quiz) एवं संविधान की प्रस्तावना पढ़ने के लिए वेबसाइट की जानकारी इस प्रकार है :-
1. ऑनलाइन संविधान की प्रस्तावना पढ़ने के लिए : **readpreamble.nic.in**
2. ऑनलाइन क्विज (Quiz) के लिए : **constitutionquiz.nic.in**

उपरोक्त के सम्बन्ध में आपसे अनुरोध है कि अपने विश्वविद्यालय के अंतर्गत समस्त रा०से०यो० इकाईयों को संविधान दिवस के आयोजन हेतु निदेशित करने एवं कार्यक्रम की फोटो/वीडियो/पेपर कटिंग सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करते हुए इस कार्यालय को भी भेजने का कष्ट करें। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार में **#SamvidhanDiwas** एवं **#IndiaMotherOfDemocaracy** का प्रोग किया जाये।

भवदीय

संलग्नक: उक्तवत्

(डा0 अशोक कुमार श्रोती)
क्षेत्रीय निदेशक

प्रतिलिपि:

1. निदेशक, भारत सरकार, निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली।
2. राज्य रा०से०यो० अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड ।

Concept Note by ICHR

'Bharat: Loktantra ki Janani'

The idea of Bharat needs to be cherished as there are millions and millions of Indians across the globe since times immemorial. It is so because Bharat and its 'Loktantra' have influenced as well as confluenced civilizations across the world. It made the world to know that the 'Lok' and its 'Tantra' are very symbiotic and complement each other to grant good governance. It is from this land of Bharat, that this spontaneous culture of serving the masses has made its origin.

A distinction needs to be drawn between *Praja-Tantra*, *Jana-Tantra*, and *Loka-Tantra*. One is a straight translation of the political system known as 'Democracy', the second is 'people versus the ruler(s) oriented system', and the third is 'a community-system oriented towards the welfare of the community.

There are three dimensions of people's polity, a system of governance broadly referred to as 'Democracy': (i) limits on the 'Ruler(s)'; (ii) accountability of the 'Ruler(s)'; (iii) people's direct or indirect participation in governance and/or their rights of self-governance.

In India, from the Vedic times itself, two kinds of states, janapada and rajya have been in existence. The Indian experience evolved its own form of governance at the levels of the village and the central polity: (i) the federal/central political structures were delinked from the life of the community (village communities), and consequently (ii) village communities became self-governing and autonomous, and (iii) developed a hierarchy of self-governing institutions, such as Panchayat and Khaps, that enabled them to remain unaffected by and large by the changing kingdoms/ empires particularly those of the invaders hostile to Hindu culture.

This explains the survival of Hindu culture and civilisation in the face of 2000 years of invasions by alien ethnicities and cultures. This became possible because the Hindu mind from the beginning addressed the central question of how to weld this vast multiplicity that is India into a single larger community and from ancient times a geo-cultural definition has been given to this entity, rashtra, Bharata -- The country which lies to the south of the Himalayas and the north of the oceans is called Bharata and the Bharatiyas are the people of this country.

Democratic system in Bharat has evolved over the ages. There are ample archaeological, literary, numismatic, epigraphical, bhakti, and so on, evidences which emphasis on the Loktantrik tradition of Bharat. The roots of people's self-governance also lie in India's Vedic period going back, vide the recent archaeological excavations at Rakhigarhi and Sanauli, to at least 5000 BCE, if not more.

Vedic literature talks of cosmic cohesion, harmony of existence. The Upanishads stress on fundamental unity, right to life and existence for all beings. Shrimad Bhagavad Gita emphasizes on knowledge, faith, action, virtue all synthesized in human conduct.

SUB -THEMES:

(i) Archaeological evidences and democratic roots in Bharat;
(ii) Examples of *loktantrika-parampara* in literature;
(iii) Rigveda and roots of Bhartiya *loktantrika-parampara*;
(iv) *Sabha* and *Samiti*: exploring Bhartiya democratic traditions;
(v) *Dharma-Sutras* and *loktantra*;
(vi) *Upanishads* and *Parishad*;
(vii) Exploring *Dharama* as *loktantrika-parampara;*
(viii) Kautilya's Arthshastra and Bhartiya *loktantra*;
(ix) *Gana-Janpadas* and *Janatantra* during ancient period;
(x) Epigraphical sources and *loktantrika-parampara*:
(xi) Bhartiya *Kala*, Epigraphs and *loktantrik* traditions;
(xii) Lichchhavi *Gana-rajya* and *loktantra*
(xiii) *Bhakti* and democratic traditions;
(xiv) local institutions/*khaps* and *loktantrika-parampara*; and,
(xv) any other subject related to the main theme.